अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 54 श्री विजय पुरम, मंगलवार , 24 फ़रवरी 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

स्थानीय उत्पादकों, निर्यातकों और उद्यमियों को राष्ट्रीय खरीदारों एवं संस्थागत हितधारकों से जोड़ना

अण्डमान में राष्ट्रीय स्तर का रिवर्स बायर–सेलर मीट एवं एक्सपो आरंभ

बी2बी सत्र में मुख्यभूमि के लगभग 30 खरीदारों ने द्वीपसमूह के 49 विक्रेताओं के साथ संवाद किया

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

द्वीपसमूह के कृषि, उद्योग एवं मत्स्य क्षेत्रों की निर्यात मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ एवं विस्तारित करने के उद्देश्य से मेगापोड रिसॉर्ट, हैडो, श्री विजय पुरम में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का रिवर्स बायर–सेलर मीट एवं एक्सपो आज से प्रारंभ हुआ। इस आयोजन का संचालन अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कृषि, उद्योग एवं मत्स्य विभागों द्वारा भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी), कोलकाता के सहयोग से किया जा रहा है तथा इसे एपीडा, एमपीईडीए, नारियल विकास बोर्ड, एनएफडीबी और रैम्प का समर्थन प्राप्त है।

इस मीट का उद्देश्य स्थानीय उत्पादकों, निर्यातकों और उद्यमियों को राष्ट्रीय खरीदारों एवं संस्थागत हितधारकों से जोड़ना है, ताकि बाज़ार तक पहुंच बढ़े और निर्यातोन्मुखी विकास को प्रोत्साहन मिल सके। नारियल विकास बोर्ड, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) तथा समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में सहभागी हैं और उन्होंने आयोजन को अपना समर्थन प्रदान किया है।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य सचिव, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर आयुक्त–सह–सचिव डॉ. सचिन शिंदे (आईएएस), उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान, श्रीमती पूर्वा गर्ग (आईएएस), सचिव (मत्स्य, उद्योग एवं कृषि) श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस), भारतीय वाणिज्य मंडल की वरिष्ठ निदेशक श्रीमती मधुपर्णा भौमिक, मत्स्य निदेशक श्रीमती जगताप कल्याणी राजेंद्र, निदेशक, कला एवं संस्कृति, श्रीमती प्रियंका कुमारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य सचिव ने मुख्यभूमि से पधारे सभी खरीदारों का स्वागत करते हुए बताया कि वर्ष 2024 में आयोजित मत्स्य निवेशक सम्मेलन ने द्वीपसमूह की समुद्री क्षमता को उभारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को 'ट्यूना हब' के रूप में पहचान मिली। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान मीट नए निर्यात अवसरों को खोलेगा, संरचित बी2बी बैठकों को बढ़ावा देगा तथा लाइव उत्पाद प्रदर्शनों के माध्यम से प्रत्यक्ष खरीदार–विक्रेता संवाद को सशक्त बनाएगा।

मुख्य सचिव ने बल देते हुए कहा कि प्रशासन नीतिगत सहयोग, अवसंरचना विकास और विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के माध्यम से निर्यात श्रृंखला को सरल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि कृषि विभाग के अंतर्गत 25 जुलाई को 'स्पाइसेस प्रवाह' नामक एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत अगले पांच वर्षों में दालचीनी, काली मिर्च, जयफल, तेजपत्ता और लौंग जैसे पांच प्रमुख मसालों के 10 लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल उत्पादन क्षमता में वृद्धि, किसानों की आय में सुधार, गुणवत्ता मानकीकरण सुनिश्चित करने तथा द्वीपसमूह को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में प्रीमियम मसाला गंतव्य के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी।

मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की नई पहल "द्वीप सुगंध" ब्रांड के अंतर्गत प्रीमियम द्वीपीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर भी प्रकाश डाला। इस ब्रांड में तरेसा बकरी के दूध का साबुन, उच्च गुणवत्ता वाले द्वीपीय मसाले और शुद्ध नारियल तेल शामिल हैं। इस ब्रांडिंग पहल का उद्देश्य द्वीपीय उत्पादों को विशिष्ट पहचान प्रदान करना, मूल्य संवर्धन को

शेष पृष्ठ 4 पर

"सम्पर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर"

उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त ने रंगत उप–मंडल का दौरा किया

मायाबंदर, 23 फरवरी

वर्तमान पहल "सम्पर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर" के अंतर्गत 19 फरवरी, 2026 को ग्राम पंचायत उत्तरा के पंचायत हॉल में जन–शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन श्री सुषांत पधा (आईएएस), उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान की अध्यक्षता में, श्री दीपांशु वोहरा, दानिक्स, सहायक आयुक्त, रंगत तथा सभी विभागाध्यक्षों एवं पीआरआई प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से ज़मीनी स्तर पर सेवा प्रदाय को सुदृढ़ करना तथा जन–शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है।

राजस्व शिविर न्यायालय के दौरान उप–विभाजन, नाम सुधार तथा नामांतरण के मामलों को लिया गया और उनका निस्तारण किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 350 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें पीआरआई सदस्य, विभागाध्यक्ष तथा आमजन शामिल थे। राजस्व शिविर न्यायालय में उनकी उपस्थिति इस पहल में सशक्त सामुदायिक भागीदारी को दर्शाती है।

सायंकाल उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान ने सहायक

शेष पृष्ठ 4 पर

जल संकट के मद्देनज़र वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए जल राशनिंग लागू

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

वर्तमान जल संकट की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तथा सभी निवासियों को जल का समान वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए तत्काल प्रभाव से जल राशनिंग लागू करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय अण्डमान निकोबार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ आयोजित बैठक में वर्तमान जल उपलब्धता एवं उपभोग पैटर्न की समीक्षा के उपरांत लिया गया।

तदनुसार 24 फरवरी, 2026 से होटलों, रेस्टोरेंटों एवं अन्य वाणिज्यिक भवनों सहित सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जल आपूर्ति नियंत्रित राशनिंग प्रणाली के माध्यम से विनियमित की जाएगी। इन उपायों का उद्देश्य उपलब्ध जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना तथा आवश्यक घरेलू जल आपूर्ति की सुरक्षा करना है। उक्त व्यवस्था अस्थायी प्रकृति की है और जल उपलब्धता की स्थिति में सुधार होने तक प्रभावी रहेगी।

एसवीपीएमसी द्वारा जारी विज्ञप्ति में सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से अनुरोध किया गया है कि वे व्यापक जनहित में पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा जल संरक्षण के उपयुक्त उपाय अपनाएं। नगरपालिका परिषद ने सभी हितधारकों से वर्तमान जल संकट के दौरान ज़िम्मेदारीपूर्वक आचरण करने और इन प्रयासों का समर्थन करने की अपील की है।

करुणा, समन्वय और प्रतिबद्धता की ऐतिहासिक गाथा

राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन के अंतर्गत 21 वर्ष बाद बुजुर्ग व्यक्ति का अंतर्राज्यीय पुनर्मिलन संभव

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

एक महत्वपूर्ण मानवीय सफलता में, राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन (एनएचएससी–14567), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने अभ्युदय कॉम्प्लेक्स वृद्धाश्रम के निवासी श्री सी. राधाकृष्णन को उनके मूल राज्य तमिलनाडु भेजने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की है। श्री राधाकृष्णन लगभग दो दशकों से अण्डमान तथा

निकोबार द्वीपसमूह में रह रहे थे और वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के दौरान उनके सभी पहचान दस्तावेज़ खो गए थे। लगभग छह माह पूर्व वे असहाय अवस्था में पाए गए थे और बाद में उन्हें फरारगंज स्थित वृद्धाश्रम में भर्ती कराया गया। वहां प्रवास के दौरान उन्होंने

शेष पृष्ठ 4 पर

विद्युत विभाग की टोल–फ्री उपभोक्ता हेल्पलाइन 24x7 उपलब्ध

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

विद्युत विभाग की समर्पित टोल–फ्री उपभोक्ता हेल्पलाइन संख्या 1800–345–1111 द्वीपसमूह के सभी उपभोक्ताओं एवं आम जनता के लिए 24ग7 उपलब्ध है। उपभोक्ता बिना विद्युत विभाग के कार्यालयों में जाए किसी भी समय विद्युत संबंधी शिकायत दर्ज़ करा सकते हैं। टोल–फ्री नंबर पर प्राप्त सभी शिकायतों का केंद्रीय स्तर पर समन्वय कर केंद्रीय शिकायत कक्ष (सीसीआर) के माध्यम से त्वरित, प्रभावी एवं कुशल निवारण सुनिश्चित किया जाता है।

अण्डमान में राष्ट्रीय स्तर का रिवर्स बायर–सेलर पृष्ठ 1 का शेष

बढ़ाना, बाज़ार में दृश्यता सुदृढ़ करना, उत्पादकों को बेहतर मूल्य सुनिश्चित करना तथा सतत एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादन पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है।

मत्स्य क्षेत्र के संदर्भ में उन्होंने द्वीपसमूह के विशाल समुद्री संसाधनों और टूना तथा टूना जैसी प्रजातियों की बढ़ती वैश्विक मांग का उल्लेख किया। ईईज़ेड दिशानिर्देशों के जारी होने के बाद तीन एक्सेस पास जारी किए गए हैं, जिससे गहरे समुद्र में मत्स्य पालन संचालन संभव हुआ है और यह गहरे समुद्री संसाधनों के दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से समुद्री निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, आधुनिक मत्स्य अवसंरचना में निवेश आकर्षित होगा, रोज़गार के अवसर सृजित होंगे तथा द्वीपीय अर्थव्यवस्था में मत्स्य क्षेत्र का समग्र योगदान बढ़ेगा।

मुख्य सचिव ने खरीदारों से द्वीपसमूह की अपार निर्यात क्षमता का अन्वेषण करने और अण्डमान तथा निकोबार के उत्पादों को बड़े राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में समाहित करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सचिव (मत्स्य, उद्योग एवं कृषि) श्रीमती पल्लवी सरकार (आईएएस) ने बताया कि राष्ट्रीय रिवर्स बायर–सेलर मीट एवं एक्सपो 2026 एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य कर रहा है, जो अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विक्रेताओं, उत्पादकों, उद्यमियों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, सहकारी समितियों, कृषि–उद्यमियों, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, समुद्री कंपनियों एवं जनजातीय उद्यमों को राष्ट्रीय खरीदारों और निर्यातकों से जोड़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा मत्स्य, कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का उपयोग करते हुए अनेक विकासात्मक पहलें की गई हैं।

उद्घाटन सत्र का समापन मत्स्य निदेशक श्रीमती जगताप कल्याणी राजेंद्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक (मत्स्य), संयुक्त निदेशक (कृषि) तथा उप निदेशक (उद्योग) द्वारा क्षेत्रवार प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें अपने–अपने क्षेत्रों की नीतिगत रूपरेखा, उत्पादन क्षमता, निवेश अवसरों और निर्यात सुविधा उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। एमपीईडीए, कोचीन, एपीडा, कोलकाता तथा नारियल विकास बोर्ड द्वारा आयोजित तकनीकी सत्रों ने नियामकीय प्रक्रियाओं, प्रोत्साहनों और सहायता तंत्र के संबंध में स्पष्टता प्रदान की, जिससे सूचित निवेश निर्णयों एवं दीर्घकालिक साझेदारियों को बढ़ावा मिला।

कार्यक्रम के दौरान स्थल पर एक विशेष उत्पाद प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विविध एवं विशिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में शीतित समुद्री मछली संसाधन, नारियल एवं मूल्य संवर्धित नारियल उत्पाद, दालचीनी (ट्रू सिनेमन), जायफल, तेजपत्ता और काली मिर्च जैसे मसाले, समुद्री एवं मत्स्य आधारित उत्पाद, उष्णकटिबंधीय कट–फ्लावर, बहुफ्लोरीय शहद तथा अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद शामिल रहे। दोपहर बाद आयोजित बी2बी सत्र में मुख्यभूमि के लगभग 30 खरीदारों ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के 49 विक्रेताओं के साथ संवाद स्थापित किया।

राष्ट्रीय स्तर का यह रिवर्स बायर–सेलर मीट द्वीपीय उत्पादों को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने, संस्थागत संबंधों को सुदृढ़ करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहित करने, मूल्य संवर्धन बढ़ाने और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की निर्यात संभावनाओं में उल्लेखनीय सुधार लाने हेतु एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे सतत एवं समावेशी आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस मीट में विभिन्न द्वीपों से आए किसानों, निर्यातकों और उद्यमियों ने सक्रिय भागीदारी की। लाइव प्रदर्शनों में बहुफ्लोरीय शहद, पुष्पोत्पादन उत्पाद, मसाले, शुद्ध नारियल तेल, सूखा नारियल, नारियल तेल तथा समुद्री उत्पाद जैसे ग्रूपर, स्नैपर, लॉब्स्टर, ब्लड क्लैम और मड क्रैब सहित अन्य औद्योगिक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इन लाइव उत्पाद प्रदर्शनों ने खरीदारों को द्वीपीय उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया, जिससे पारदर्शिता, विश्वास निर्माण और त्वरित व्यावसायिक वार्ताओं को बढ़ावा मिला।

कल 24 फरवरी को बायर–सेलर मीट बी2बी एवं बी2जी बैठकों, सरकारी अधिकारियों तथा खरीदारों और विक्रेताओं के मध्य संवाद सत्र तथा समापन समीक्षा सत्र के साथ जारी रहेगा।

उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त ने रंगत पृष्ठ 1 का शेष

आयुक्त, रंगत तथा अन्य विभागाध्यक्षों के साथ कदमताल

गांव के दूरस्थ क्षेत्रों, अर्थात् कटाइडेरा और अटरजी का दौरा किया। दौरे के दौरान टीम ने क्षेत्रीय निरीक्षण किया तथा घर–घर जाकर संवाद स्थापित कर पेयजल आपूर्ति, सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बिजली, नागरिक आपूर्ति एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का आकलन किया। विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर तत्काल एवं समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जहां संभव हुआ, वहां स्थल पर ही समाधान उपलब्ध कराकर जनता को त्वरित राहत प्रदान की गई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उपायुक्त ने उत्तरदायी, सुलभ एवं पारदर्शी शासन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया। समन्वित विभागीय कार्रवाई, सक्रिय सेवा प्रदाय तथा समुदाय के साथ निरंतर संवाद पर विशेष ज़ोर दिया गया। ज़िला प्रशासन "सम्पर्क से समाधान–प्रशासन गांव की ओर" पहल का विस्तार उत्तर व मध्य अण्डमान के शेष गांवों तक करता रहेगा, ताकि सरकारी सेवाएं एवं शिकायत निवारण तंत्र प्रत्येक घर तक पहुंच सुनिश्चित कर सकें।

राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन के अंतर्गत पृष्ठ 1 का शेष

बार–बार तमिलनाडु के कन्याकुमारी ज़िले स्थित अपने पैतृक स्थान लौटने की प्रबल इच्छा व्यक्त की। उनके अनुरोध पर एनएचएससी ने परिवार की खोज प्रक्रिया प्रारंभ की तथा तमिलनाडु एल्डरलाइन के साथ अंतर्राज्यीय समन्वय स्थापित किया।

3 से 4 माह के निरंतर प्रयासों, जिसमें परामर्श, पुलिस सत्यापन और तमिलनाडु प्राधिकारियों के साथ समन्वय शामिल था, के बाद उनके परिजनों का सफलतापूर्वक पता लगाया गया। समाज कल्याण निदेशालय, तमिलनाडु ने चेन्नई में उनके स्वागत तथा आगे कन्याकुमारी तक पुनर्वास सहायता की व्यवस्था की पुष्टि की है।

श्री सी. राधाकृष्णन सुरक्षित रूप से चेन्नई पहुंचे, जहां समाज कल्याण निदेशालय, तमिलनाडु के अधिकारियों ने एल्डरलाइन तमिलनाडु टीम के साथ उनका स्वागत किया और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके भाई को सौंपा। 21 लंबे वर्षों बाद हुआ यह भावनात्मक पुनर्मिलन अत्यंत मार्मिक रहा और श्री राधाकृष्णन ने अपने परिवारजनों से पुनर्मिलन पर अपार प्रसन्नता और कृतज्ञता व्यक्त की।

इस अवसर पर श्री रविंद्र कुमार, निदेशक, समाज कल्याण, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने इस मानवीय कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने और 21 वर्ष बाद श्री सी. राधाकृष्णन को उनके घर पहुंचाने के लिए एल्डर हेल्पलाइन टीम को बधाई दी। निदेशक ने कहा कि एल्डर हेल्पलाइन न केवल सूचना, मार्गदर्शन, भावनात्मक सहयोग और क्षेत्रीय हस्तक्षेप प्रदान करती है, बल्कि दशकों से परिवारों से बिछड़े लोगों को पुनः जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि आवश्यकता पड़ने पर हेल्पलाइन नंबर 14567 पर अधिक से अधिक संपर्क करें।

उन्होंने श्री राधाकृष्णन के सुखद और शांतिपूर्ण जीवन के लिए शुभकामनाएँ भी दीं तथा आशा व्यक्त की कि वे अपने प्रियजनों के बीच सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

प्रशासन श्री एम.टी. मुस्तफा, अध्यक्ष, आइलैंड प्रोटेक्शन फोरम के सहयोग को भी स्वीकार करता है, जिन्होंने उदारतापूर्वक श्री राधाकृष्णन के हवाई टिकट का प्रायोजन किया तथा पूरी प्रक्रिया के दौरान एल्डरलाइन टीम को सहयोग प्रदान किया।

यह मामला अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एल्डर हेल्पलाइन (14567) की सबसे बड़ी सफलता कहानियों में से एक के रूप में सामने आया है, जो मजबूत अंतर्राज्यीय समन्वय और वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा एवं देखभाल सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

"वृद्धाश्रम अंतिम विकल्प होना चाहिए, पहला नहीं। आइए हम ऐसा समाज बनाएं जहां बुजुर्ग अपने ही परिवारों के बीच सम्मानित और मूल्यवान महसूस करें।"

प्राप्त विज्ञप्ति में प्रशासन ने युवा पीढ़ी से अपील की है कि वे अपने माता–पिता के साथ खड़े रहें, उन्हें भावनात्मक और शारीरिक सहयोग दें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी वरिष्ठ नागरिक स्वयं को उपेक्षित महसूस न करे।

● सहायता के लिए एल्डर हेल्पलाइन–14567 पर संपर्क करें

बैरन द्वीप के लिए विशेष राउंड क्रूज़ सेवाएं घोषित

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

पूर्व अवसरों पर पर्यटकों एवं द्वीपवासियों से प्राप्त अभूतपूर्व प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने फरवरी एवं मार्च, 2026 के लिए बैरन द्वीप हेतु विशेष राउंड क्रूज़ यात्राएं घोषित की हैं।

यह विशेष क्रूज़ यात्रियों को दक्षिण एशिया के एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी को देखने का दुर्लभ और अविस्मरणीय अवसर प्रदान करता है, जो अण्डमान सागर के स्वच्छ एवं निर्मल जल के मध्य स्थित है। यह समुद्री यात्रा ज्वालामुखीय द्वीप के अद्भुत दृश्य तथा आसपास के मनोहारी समुद्री परिदृश्य का अनुपम अनुभव कराती है, जो प्रकृति प्रेमियों, साहसिक पर्यटकों, फोटोग्राफरों एवं यात्रियों के लिए एक अनूठा आकर्षण है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इन यात्राओं का संचालन जहाज़ 'नालंदा' द्वारा किया जाएगा।

महीना	जहाज़ का नाम	तारीख और समय रवाना होने का
फरवरी, 2026	नालंदा	27 फरवरी, 2026 रात 9 बजे
मार्च, 2026		13 मार्च, 2026 रात 9 बजे
		27 मार्च, 2026 रात 9 बजे

प्राप्त विज्ञप्ति में जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने सभी इच्छुक पर्यटकों एवं द्वीपवासियों को इस विशिष्ट अवसर का लाभ उठाने और क्षेत्र के सबसे अद्भुत प्राकृतिक स्थलों में से एक का अवलोकन करने हेतु आमंत्रित किया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि अंतिम समय की असुविधा से बचने के लिए अपने टिकटों की बुकिंग अग्रिम रूप से सुनिश्चित कर लें। यात्री अपनी सीट आज ही डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल **at https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** के माध्यम से बुक कर सकते हैं, जो प्रतिदिन 24x7 उपलब्ध है। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने हेतु एक क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

Scan QR Code to open on mobile.

"पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभ, एनपीएस और आरटीआई" पर प्रशिक्षण शुरू

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली के अंतर्गत सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) के सहयोग से "पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभ, एनपीएस और आरटीआई" विषय पर 5 दिवसीय परिपाटेटिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आज यहां के टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 23 से 27 फरवरी, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जो अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के समामेलित लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों तथा अण्डमान तथा निकोबार कमान (एएनसी) के कर्मचारियों के लिए निर्धारित है। सहायक सचिव (प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण/पीजीसी) श्रीमती सरला चक्रवर्ती ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और सतत क्षमता निर्माण एवं कुशल प्रशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। टैगोर कॉलेज की

प्राचार्या श्रीमती मजुलता राव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) द्वारा उप निदेशक श्री भगवान पाध्य को कार्यक्रम के दौरान विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु नामित किया गया है। उद्घाटन सत्र का समापन प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ की कार्यालय अधीक्षक श्रीमती बी. गंगा रत्नम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अतिरिक्त 24 प्रधान आरक्षकों को विशेष ग्रेड का लाभ प्रदान किया गया

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

कॅरियर उन्नति की कल्याणोन्मुखी पहल को जारी रखते हुए, 23 फरवरी, 2026 को विशेष ग्रेड पहल के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने कार्मिकों को प्रोत्साहित करने और सेवा शर्तों में सुधार लाने के उद्देश्य से अंतरिम उपाय के रूप में अतिरिक्त 24 प्रधान आरक्षकों को सहायक उप निरीक्षक (विशेष ग्रेड) के पदनाम से विशेष ग्रेड प्रदान किया। यह कदम संगठन द्वारा अनुभव की सराहना करने तथा पुलिस बल के भीतर मनोबल को सुदृढ़ करने की निरंतर प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार पुलिस द्वीपों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए उच्च स्तर की व्यावसायिकता, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ प्रभावी, पारदर्शी और जन–केंद्रित पुलिसिंग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेएनआरएम के विद्यार्थियों के लिए डिग्री प्रमाणपत्र उपलब्ध

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), श्री विजय पुरम के यूजी बैच 2018–19, पीजी बैच 2019–20 तथा सितंबर, 2021 में स्नातक हुए विद्यार्थियों के डिग्री प्रमाणपत्र पांडिचेरी विश्वविद्यालय से प्राप्त हो गए हैं। प्राप्त विज्ञप्ति में संबंधित बैच के विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी कार्यदिवस पर जेएनआरएम के प्रवेश एवं परीक्षा प्रकोष्ठ से अपने डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त कर लें।

एमवी कालीघाट के प्रस्थान समय में परिवर्तन

श्री विजय पुरम, 23 फरवरी

जहाज़रानी सेवा निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति में सभी यात्रियों को सूचित किया गया है कि प्रशासनिक कारणों से एमवी कालीघाट का 26 फरवरी, 2026 को सुबह 7 बजे हैडो घाट से लिटिल अण्डमान, कार निकोबार, चावरा, तरेसा एवं कछाल होते हुए ननकौड़ी के लिए निर्धारित प्रस्थान समय

अग्रिम कर दिया गया है। अब यह जहाज़ पूर्व निर्धारित समय सुबह 7 बजे के स्थान पर सुबह 6.30 बजे हैडो घाट से प्रस्थान करेगा। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि संशोधित समय का संज्ञान लें तथा अद्यतन कार्यक्रम के अनुसार यात्रा हेतु समय पर उपस्थित हों।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

शपथ पत्र

मैं, सुशील कुमार, पुत्र श्री हीरालाल अग्रवाल, निवासी डॉलीगंज, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, सत्यनिष्ठा पूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :

1. कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम सुशील कुमार है।
2. कि त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट संख्या L5847689 में मेरा नाम सुशील कुमार अग्रवाल अंकित हो गया है।
3. कि सुशील कुमार तथा सुशील कुमार अग्रवाल एक ही व्यक्ति के नाम है।
4. कि यह शपथ पत्र इस घोषणा के लिए दिया जा रहा है कि उपर्युक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं तथा पासपोर्ट संबंधी प्रयोजन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

यह शपथ पत्र मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य है।

शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, प्रकाश कुमार, पुत्र श्री गोपालकृष्णन, निवासी ओग्राब्राज, तहसील फरारगंज, जिला दक्षिण अण्डमान, शपथपूर्वक यह घोषणा करता हूँ कि :

1. कि मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नाम गोपालकृष्णन है।
2. कि त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट संख्या L9470596 में उनके नाम को गोपालकृष्णा के रूप में अंकित कर दिया गया है।
3. कि गोपालकृष्णन एवं गोपालकृष्णा दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।
4. कि यह शपथ पत्र इस घोषणा हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है कि उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति से संबंधित हैं तथा पासपोर्ट के प्रयोजन हेतु यह शपथ पत्र बनाया गया है।

मैं, यह सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र में उल्लिखित सभी कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

शपथकर्त्ता

नाम परिवर्तन हेतु शपथ पत्र

इस विलेख द्वारा मैं, अधोहस्ताक्षरी कन्नदासन, पुत्र श्री के. सेतु, निवासी डॉलीगंज गांव, डाकघर डॉलीगंज, पुलिस स्टेशन पहाडगांव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह 744103, विधिवत शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ:

1. कि मेरी पुत्री का सही नाम के. अर्विन्या वैष्णवी है।
2. कि कुछ शैक्षणिक अभिलेखों, आधार कार्ड, आइलैंडर कार्ड एवं पासपोर्ट में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश श्री वैष्णवी (Sree Vaishnavi) अंकित हो गया है।
3. कि के. अर्विन्या वैष्णवी और श्री वैष्णवी एक ही व्यक्ति के नाम है।
4. कि मैं अपनी पुत्री के लिए आगे से सभी प्रयोजनों हेतु सही नाम के. अर्विन्या वैष्णवी ही रखना और प्रयोग करना चाहता हूँ।
5. कि मैं सभी संबंधित व्यक्तियों एवं प्राधिकरणों को अनुरोध एवं अधिकृत करता हूँ कि भविष्य में मेरी पुत्री का नाम एवं पहचान के. अर्विन्या वैष्णवी के रूप में ही अंकित एवं प्रयुक्त किया जाए।

उपरोक्त कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है।

शपथकर्त्ता

पूसा कृषि विज्ञान मेला 25 से

नई दिल्ली, 23 फ़रवरी। आगामी 25 से 27 फरवरी तक मेला ग्राउंड में 'पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले की थीम विकसित कृषि–आत्मनिर्भर भारत है, जो किसानों की आजीविका को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सतत, जलवायु–अनुकूल एवं आय–केंद्रित कृषि विकास पर केंद्रित है। इस तीन दिवसीय मेले का उद्घाटन 25 फरवरी को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। मेले के समापन दिवस यानी 27 फरवरी को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी विभिन्न प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। सोमवार को आईएआरआई में 'पूसा कृषि विज्ञान मेला 2026' को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के निदेशक डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव ने यह जानकारी दी।

E-TENDER NOTICE

F.No.WP/S-138/1004 Dated 23.02.2026

The Deputy Conservator of Forests, Working Plan Division, Haddo, Sri Vijaya Puram on behalf of President of India invites online e-tender for the following tender enquiry:

Sl. No.	Tender Enquiry No.	Brief Description	Due Date and time
1	WP/S-138/4846 **Tender ID: 2026_DCFWP_22080_1**	e-Tender for the Work: "Internal Electrification of DCF (WP) Office, Haddo".	03/03/2026 up to 3.00 pm

Complete tender documents are available in the A & N Administration e-tender portal (https://eprocure.andamannicobar.gov.in). The tender should be submitted online as per the tender document.

Deputy Conservator of Forests
Working Plan Division, Haddo

टी20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने बुमराह, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने सुपर–8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया।

बुमराह ने इस मैच से पहले पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के 32 विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए तीन विकेट की जरूरत थी। उन्होंने चार ओवर में मात्र 15 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके और अश्विन को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश को पवेलियन भेजकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ बुमराह के टी20 वर्ल्ड कप में कुल 33 विकेट हो गए हैं। हालांकि मैच में भारत को 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनके इस प्रदर्शन की चमक थोड़ी धीमी पड़ गई।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट:

1. जसप्रीत बुमराह–33 विकेट (22 पारियां)
2. अर्शदीप सिंह– 32 विकेट (18 पारियां)
3. रविचंद्रन अश्विन–32 विकेट (24 पारियां)
4. हार्दिक पांड्या– 29 विकेट (26 पारियां)
5. रवींद्र जडेजा– 22 विकेट (29 पारियां)

मणिपुर की छोटी सी फीचर फिल्म ने जीता 'बाफ्टा', खास है फरहान अख्तर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'बूंग'

मुंबई, 23 फरवरी।

सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स में एक बाफ्टा पुरस्कार में भारतीय मणिपुरी भाषा की कॉमेडी–ड्रामा फीचर फिल्म 'बूंग' को सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। खास बात ये है कि फिल्म बूंग फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है और फिल्म को डायरेक्ट लक्ष्मीप्रिया देवी ने किया है। बूंग इस साल की पहली भारतीय फिल्म है, जिसे बाफ्टा में नॉमिनेट किया गया था और अब फिल्म को सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

बाफ्टा जैसे बड़े मंच पर भारत की क्षेत्रीय फीचर फिल्मों को सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिल्म की डायरेक्टर लक्ष्मीप्रिया देवी मंच पर अवॉर्ड लेने पहुंची और उनके साथ फरहान अख्तर भी नजर आए। भावुक लक्ष्मीप्रिया देवी ने मंच से बाफ्टा का धन्यवाद किया और उनकी छोटी सी फिल्म को इतना बड़ा सम्मान और प्यार देने के लिए दिल से धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, "यहां तक चलना ऐसा लग रहा था मानो किसी पहाड़ की चोटी पर पहुंचने के आखिरी कुछ कदम बचे हों, जिस पर चढ़ने के बारे में हमें कभी पता ही नहीं था।" निर्देशक ने वैश्विक मंच पर मणिपुर के हालातों पर बात की।

अपनी स्पीच में उन्होंने कहा, "यह फिल्म और यह जीत मेरे गृह राज्य मणिपुर को एक ट्रिब्यूट है, जिसे भारत में 'नजरअंदाज और प्रतिनिधित्वहीन' माना जाता है। यह फिल्म भारत के एक बेहद परेशान, उपेक्षित और कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्र, मेरे गृह नगर मणिपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित है। मैं इस मौके पर मणिपुर में शांति की वापसी के लिए प्रार्थना करना चाहती हूँ।"

बता दें कि फीचर फिल्म 'बूंग' मणिपुर सीमा पर नस्लीय तनाव और जीवन की परेशानी से जूझ रहे एक स्कूली बच्चे की कहानी है, जिसने जन्म से हिंसा और उपेक्षा को महसूस किया। इसके साथ ही फिल्म राज्य में व्याप्त सामाजिक और राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि को भी बारीकी से दिखाती है। कहानी में स्कूली बच्चा अपने बिखरे परिवार को एक करने और अपने बिछड़े पिता को वापस लाने की लड़ाई लड़ रहा है।

बाफ्टा से पहले फिल्म 'बूंग' का स्क्रीनिंग साल 2024 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के डिस्कवरी सेक्शन में हुआ था। इसके अलावा, फिल्म वारसॉ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024, 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया और इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2025 में प्रदर्शित किया जा चुका है।

प्रसव के बाद क्यों झड़ने लगते हैं तेजी से बाल, जानें कारण से लेकर समाधान

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

प्रसव के बाद मां के शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। वजन बढ़ने लगता है और शरीर बहुत कमजोर महसूस करता है। इसी के साथ चेहरे पर दाग–धब्बे और प्रसव के बाद तेजी से बाल झड़ने की समस्या देखी जाती है। बाल झड़ने की समस्या हर दूसरी महिला में देखी जाती है, लेकिन ऐसा क्यों होता है, ये बहुत कम लोग ही जानते हैं। आज हम प्रसव के बाद बाल झड़ने की परेशानी के कारणों के बारे में जानेंगे और इसे रोकने के उपाय भी। पहले जानते हैं कि प्रसव के कुछ महीने बाद अचानक बाल क्यों झड़ने लगते हैं।

पहला कारण है हॉर्मोन में परिवर्तन। बच्चे को जन्म देने के बाद मां के शरीर में हॉर्मोन का असंतुलन आम बात है। प्रसव के बाद शरीर में एस्ट्रोजन का स्तर गिरने लगता है, जिससे बाल जड़ों से कमजोर होकर गिरने लगते हैं और पतले भी हो जाते हैं। दूसरा कारण है पोषक तत्वों की कमी होना। प्रसव के बाद सारा ध्यान शिशु पर शिफ्ट हो जाता है और सभी शिशु का ध्यान मां की तुलना में ज्यादा करते हैं। डिलीवरी के बाद शरीर में आयरन से लेकर कैल्शियम तक की कमी हो जाती है। ऐसे में पोषक तत्वों की कमी की वजह से बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं।

तीसरा कारण है तनाव और नींद की कमी। हार्मोन का असंतुलन और शिशु के रात भर जागने की वजह से मां पूरी

नींद नहीं ले पाती है, जिससे डिप्रेशन और थकान होने लगती है। तनाव बाल झड़ने का सबसे बड़ा कारण है। अब जानते हैं कि बालों के गिरने को कैसे रोका जा सकता है।

पहला, डिलीवरी के कुछ समय बाद एस्ट्रोजन का स्तर शरीर में बढ़ने लगता है। दूसरा आहार पोषक तत्वों से भरपूर लें, जिसमें आयरन, कैल्शियम, विटामिन डी, और विटामिन सी की भरपूर मात्रा हो। विटामिन सी बालों और स्किन के लिए बहुत जरूरी है। आहार में दाल, अंडा, दूध, पनीर, सोया, हरी सब्जियां, चुकंदर, और अनार लें। हफ्ते में एक बार हल्की तेल मालिश जरूर करें। तनाव को कम करने के लिए पूरी नींद जरूर लें, और अगर फिर भी अगर बाल लगातार झड़ रहे हैं तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

लोकसभा अध्यक्ष ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूह गठित किए

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

भारत के संसदीय कूटनीतिक संबंधों को नई दिशा देते हुए लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों के गठन की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य विश्व के विभिन्न देशों की संसदों के साथ प्रत्यक्ष, नियमित और संस्थागत संवाद को बढ़ावा देना है, ताकि पारंपरिक राजनय के साथ–साथ संसदीय स्तर पर भी द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ किया जा सके।

इन मैत्री समूहों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसदों को शामिल किया गया है, जो दलीय राजनीति से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। जिन देशों के साथ मैत्री समूह गठित किए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, साउथ अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इज़राइल, मालदीव, अमेरिका, रूस, दक्षिण कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राज़ील, वियतनाम, मेक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यूरोपीय संसद के साथ भी संसदीय संवाद को संस्थागत रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

3 मार्च को दिखेगा 'ब्लड मून', जानें कितने प्रकार के होते हैं चंद्र ग्रहण

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

चंद्र ग्रहण एक खूबसूरत खगोलीय घटना है, जो साल में चार से सात बार होती है। इस दौरान पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य एक सीधी रेखा में आ जाते हैं। चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी की कक्षा के मुकाबले थोड़ी झुकी हुई हैं, इसलिए हर पूर्णिमा पर ग्रहण नहीं होता, बल्कि कभी–कभी ही होता है।

चंद्र ग्रहण पूर्णिमा के दिन होता है, जबकि सूर्य ग्रहण अमावस्या पर। चंद्र ग्रहण में पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है, जिससे चंद्रमा धुंधला या लाल दिखाई देता है। यह ग्रहण पृथ्वी के आधे हिस्से से दिखता है। ये घटनाएं प्रकृति की अनोखी प्रस्तुति हैं। साफ आसमान में बिना किसी उपकरण के देखा जा सकता है।

साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण 3 मार्च को है, जो पूर्ण चंद्र ग्रहण या ब्लड मून होगा। वहीं, दूसरा चंद्र ग्रहण 28 अगस्त को है। यह आंशिक चंद्र ग्रहण होगा। चंद्र ग्रहण के तीन मुख्य प्रकार होते हैं। इनमें पूर्ण चंद्र ग्रहण, आंशिक चंद्र ग्रहण और पेनम्ब्रल चंद्र ग्रहण शामिल हैं।

पूर्ण चंद्र ग्रहण में चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की गहरी छाया (उम्ब्रा) में चला जाता है। पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरने वाली सूर्य की रोशनी चंद्रमा तक पहुंचती है। नीली और बैंगनी रोशनी ज्यादा बिखर जाती है, जबकि लाल और नारंगी सीधे पहुंचती है। इसलिए चंद्रमा लाल या नारंगी रंग का दिखता है, जिसे ब्लड मून कहते हैं। वायुमंडल में जितनी ज्यादा धूल या बादल, उतना गहरा लाल रंग दिखता है। यह ग्रहण कई घंटों तक रह सकता है।

ब्लड मून पूर्ण चंद्र ग्रहण का ही एक नाम है। सूर्य की रोशनी सफेद दिखती है, लेकिन इसमें कई रंग होते हैं। सूर्यास्त या सूर्योदय के समय लाल रोशनी ज्यादा पहुंचती है, क्योंकि नीली रोशनी बिखर जाती है। चंद्र ग्रहण में भी यही होता है। पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरती रोशनी चंद्रमा पर पड़ती है, जैसे दुनिया के सभी सूर्योदय और सूर्यास्त एक साथ चंद्रमा पर प्रोजेक्ट हो रहे हों। यही वजह है कि चंद्रमा लाल दिखता है। आंशिक चंद्र ग्रहणः चंद्रमा जब पृथ्वी की छाया के सिर्फ एक हिस्से से गुजरता है तो छाया बढ़ती है लेकिन चंद्रमा को पूरी तरह नहीं ढक पाती, फिर पीछे हट जाती है।

पेनम्ब्रल चंद्र ग्रहणः वहीं जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं और चंद्रमा पृथ्वी की बाहरी हल्की छाया (पेनम्ब्रा) में चला जाता है, तब पेनम्ब्रल चंद्र ग्रहण होता है। इस दौरान चंद्रमा बहुत हल्का या धुंधला दिखता है और कई बार नजर नहीं आता।

इतिहास के पन्नों में 24 फरवरी

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

739 – करनाल में हुए युद्ध में फ़ारस पर सत्तासीन तुर्क नादिरशाह ने मुग़ल शहंशाह आलम की भारतीय सेना को हरा दिया।

1821 – मैक्सिको ने स्पेन से स्वतंत्रता हासिल की।

1822 – दुनिया के पहले स्वामी नारायण मंदिर का अहमदाबाद में उद्घाटन हुआ।

1831 – दा ट्रीटि ऑफ डार्सिंग रेबिट क्रीक वह पहली संधि है जिसे भारतीय रिमूवल एक्ट से हटाने की घोषणा की गयी।

1882 – संक्रामक बीमारी टीबी की पहचान आज ही के दिन की गई थी।

1894 – निकारागुआ ने होंडुरास की राजधानी तेगुसिगालपा पर क़ब्ज़ा किया।

1895 – क्यूबा में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये लड़ाई शुरु हुई।

1942 – नाजी नेताओं के दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए वॉयस ऑफ अमेरिका ने जर्मन में अपना पहला प्रसारण किया।

1961 – मद्रास की सरकार ने राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने का फैसला किया।

1976 – अर्जेन्टीना में सेना प्रमुखों द्वारा बलात् सत्ता ग्रहण, राष्ट्रपति श्रीमती पैरों गिरफ़्तार एवं संसद भंग।

1983 – असम में तीन सप्ताह की जातीय और राजनीतिक हिंसा में 1300 से ज्यादा लोगों की मौत।

2001 – पाकिस्तान भारत से परमाणु निवारण के लिए वार्ता को तैयार।

2002 – कनाडा ने पुरुषों की आइस हॉकी स्पर्धा में 50 वर्ष बाद पहला स्वर्ण पदक जीता। कनाडा को आइस हॉकी का जनक माना जाता है। देश की महिला टीम ने इससे तीन दिन पहले ही स्वर्ण पदक जीता था।

2003 – चीन के जिजियांग प्रान्त में भीषण भूकम्प से 257 मरे।

2004 – रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मिखाइल कास्यानोव को उनके पद से हटाया।

2006 – फिलीपींस में तख्तापलट की कोशिश के बाद आपातकाल लागू।

2008 – रिलायंस पावर ने अपने शेयर धारकों की क्षतिपूर्ति के लिए बोनस शेयर जारी करने का फैसला किया।

2008 – मुम्बई की शगुन साराभाई ने जोहांसवर्ग में मिस इण्डिया वर्ल्ड वाइड का खिताब जीता।

2009 – केन्द्र सरकार ने सेवा कर उत्पाद शुल्क में कटौती की घोषणा की।

2013 – राउल कास्त्रो को दूसरे कार्यकाल के लिये क्यूबा का राष्ट्रपति चुना गया।

क्या पूरे दिन गुनगुना पानी पीना सही है? आयुर्वेद से जानें सही नियम

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

पानी सिर्फ शरीर की प्यास नहीं बुझाता है, बल्कि रक्त में मिलकर शरीर के हर अंग तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। मानव शरीर का 70 फीसदी हिस्सा पानी से बना है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि किस तरह का पानी पीना शरीर के लिए लाभकारी होता है। सदियों से सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की परंपरा चली आई है क्योंकि ये सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि शरीर को लाभ देने वाली प्रक्रिया है।

आयुर्वेद में सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना असाधारण लाभ देता है और पाचन को तेज करने से लेकर कफ दोष को भी संतुलित करता है। लेकिन सवाल है कि क्या हर मौसम में गुनगुना पानी उतना ही फायदेमंद है और जितना गर्म पानी पीते हैं, क्या लाभ भी उतने ही मिलते हैं? आज हम इन्हीं सभी सवालों के जवाब लेकर आए हैं। पहले जानते हैं कि सुबह उठकर गुनगुने पानी का सेवन करने से कितने लाभ मिलते हैं। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने से मंद पड़ी पाचन अग्नि तेजी से काम करती है और खाने को अच्छे से पचाने में मदद करती है।

हल्का गर्म पानी आंतों को भी गतिशील बनाता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। गुनगुने पानी की सहायता से ही छाती में छिपा कफ ढीला होकर बाहर आने लगता है, और जो लोग बढ़ते वजन से परेशान हैं, उनके लिए गुनगुना पानी चर्बी को कम करने में भी मददगार है, लेकिन क्या सिर्फ सुबह ही गुनगुने पानी

का सेवन करना लाभकारी है? गुनगुने पानी का सेवन पूरे दिन कर सकते हैं।

सुबह के बाद खाना खाने के आधा घंटा पहले गुनगुने पानी का सेवन करना लाभकारी होता है, क्योंकि ये पाचन शक्ति को तेज करने में मदद करता है और वजन को कंट्रोल करने में भी सहायक है। खाना खाने के 1 घंटे बाद भी गुनगुने पानी का सेवन किया जा सकता है। अब जानते हैं कि कब गुनगुने पानी के सेवन से बचना चाहिए। ज्यादा तेज प्यास लगने या डिहाइड्रेशन की स्थिति में गुनगुना पानी पीने से बचें क्योंकि ये डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है।

दूसरा, अधिक गर्मी के समय भी गर्म या गुनगुना पानी पीने से बचें क्योंकि ये गर्मी पैदा कर घबराहट का कारण बन सकता है। तीसरा और आखिरी, अगर गर्मियों में पित्त की समस्या या पेट में जलन रहती है तब भी उसके सेवन से बचना चाहिए।

मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाएगा एफएसएसएआई

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

होली और अन्य आगामी त्योहारों को देखते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे मार्च महीने के दौरान मिठाइयों, दूध और दुग्ध उत्पादों, खाद्य तेलों समेत अन्य त्योहारी खाद्य पदार्थों की सघन जांच, निगरानी बढ़ाएं और मिलावट रोकने के लिए विशेष निगरानी टीमें गठित की जाएं।

एफएसएसएआई ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के आयुक्तों को पत्र लिखर मिलावट रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें गठित कर लगातार छापेमारी और निरीक्षण करने को कहा गया है। वहीं, फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स के जरिए मौके पर नमूनों की जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने को कहा गया है, ताकि तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। एफएसएसएआई का कहना है कि त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिलावट पाए जाने पर दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कदम खाद्य मिलावट और गलत लेबलिंग को रोकने के लिए जरूरी है।

प्राधिकरण ने सोमवार को बताया कि त्योहारों के मद्देनजर मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए देशभर में विशेष मिलावट के खिलाफ विशेष अभियान शुरू होगा। इसके तहत दूध से बनी मिठाइयों के सैंपल उठाए जाएंगे ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ कोई दुकानदार खिलवाड़ न कर सके। मिलावट पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उनके लाइसेंस तक रद्द किए जा सकते हैं।

इंडिया एआई समिटः स्टार्टअप्स के साथ मिलकर सेना ने पेश किए जबरदस्त एआई सिस्टम

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

भारतीय सेना ने इंडिया एआई समिट में स्वदेशी स्टार्टअप्स के साथ मिलकर विकसित की जा रही अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियों का प्रदर्शन किया। दरअसल युद्ध अब सिर्फ बंदूक और टैंक तक सीमित नहीं है, अब हार जीत हाई–टेक टेक्नोलॉजी पर भी करती है।

इंडिया एआई समिट में आर्मी ने दिखाया कि कैसे वो भारतीय स्टार्टअप्स के साथ मिलकर एआई सिस्टम बना रही है। यह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है, यानी अपना देश, अपनी टेक्नोलॉजी और अपनी खुद की ताकत। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाना है। यहां प्रदर्शित प्रमुख परियोजनाओं की बात करें तो एकम एआई इनमें से एक है। यह ऐसा सिस्टम है जो आर्मी के अपने सुरक्षित नेटवर्क पर चलेगा। बाहर से कोई दखल नहीं। सेना का अपना डेटा, अपना मॉडल, पूरी तरह स्वदेशी और सुरक्षित।

इसे न्यूरालिक्स के साथ आईडेक्स अदिति 2.0 के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है। यह एआई–एज–ए–सर्विस प्लेटफॉर्म सेना के सुरक्षित, एयर–गैप्ड नेटवर्क पर संचालित होगा। इसमें सेना के डेटा पर आधारित ऑन–प्रिमाइसेस फाउंडेशन मॉडल को तैयार किया जा रहा है। वहीं एआई–इन–ए–बॉक्स और एजेंटिक एआई प्लेटफॉर्म भी यहां मौजूद रहे। इसे एक स्मार्ट दिमाग मान लीजिए जो बॉक्स में पैक है। इसकी जहां जरूरत हो वहां ले जा सकते हैं। यह तुरंत फैसला लेने में मदद करता है। खासकर गुप्त जानकारी के आधार पर। एआई की मदद से सैनिकों की ट्रेनिंग भी अब स्मार्ट तरीके से होगी। एआई बताएगा कौन कितना तैयार है और कहां अभी और सुधार चाहिए।

आज मनाया जा रहा है केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

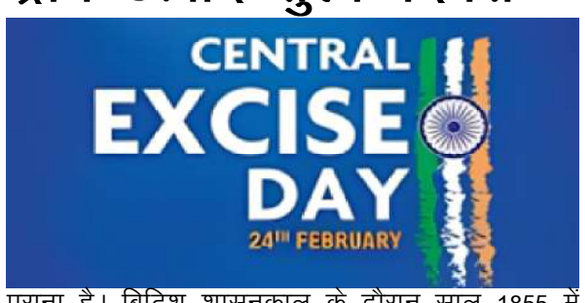

प्रतिवर्ष 24 फरवरी को केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा देश भर में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को देश के प्रति केन्द्रीय उत्पाद व सीमा शुल्क बोर्ड की सेवा में योगदान देने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क बोर्ड के महत्व से रूबरू करवाना है तथा इसके प्रति जागरूक करना है। इस दिन बोर्ड की ओर से कई सारे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें सेमिनार कार्यशालाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और पुरस्कार समारोह शामिल हैं।

इस दिन का उद्देश्य बोर्ड के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों व कड़ी मेहनत को सम्मानित करना है। तथा लोगों को इससे जागरूक करना है। यही कारण है कि इस दिन बोर्ड द्वारा तरह तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और लोगों को इसके महत्व को समझाया जाता है। आपको बता दें केंद्रीय सीमा शुल्क और उत्पाद बोर्ड केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आजाता है। यह एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर होता है।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस का इतिहास सैकड़ों वर्ष पुराना है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान साल 1855 में उत्पाद शुल्क विभाग की स्थापना की गई थी। जो हर प्रकार के अप्रत्यक्ष कर, कस्टम ड्यूटी और एक्साइज ड्यूटी पर निगरानी रखती था। इसके लिए अधिकारियों का चयन किया गया था। वहीं आज ही के दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क बनाया गया था। यह अधिनियम नमक और सेंट्रल ड्यूटी से संबंधित कानून में बदलाव करने के लिए पारित किया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य देश में आम जनता को केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा के महत्व से जागरूक करवाना है। इसके लिए इस दिन बोर्ड द्वारा कई जागरूकता अभियान चलाया जाता है। तथा लोगो को इसके प्रति जागरूक किया जाता है।

दिल्ली में 'वरदान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' 26–27 फरवरी को

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

दिल्ली के गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में 26–27 फरवरी को विश्व का पहला 'वरदान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। दधीचि देहदान समिति एवं संप्रेषण मल्टीमीडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य मानवता की सेवा और अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है।

दधीचि देहदान समिति के संरक्षक एवं विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, "जब हम इस महोत्सव की कल्पना कर रहे थे, तो हमें विश्व में इस विषय पर केंद्रित कोई दूसरा डेटा बैंक या महोत्सव नहीं मिला। यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। इस महोत्सव में लघु फिल्म रील और प्रेरणादायक फिल्में शामिल हैं, जो दर्शकों को अंगदान की संवेदनशीलता से रूबरू कराएंगी।"

उन्होंने बताया कि समिति अब तक 500 शरीर और 1250 आंखों का दान संपन्न करा चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में दो बार अंगदान के महत्व पर चर्चा कर इस अभियान को राष्ट्रीय पहचान दी है। इस अभियान में स्वास्थ्य क्षेत्र के 44 एनजीओ, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और स्वास्थ्य मंत्रालय का भी सहयोग मिल रहा है।

समिति के एक प्रमुख सदस्य और महोत्सव के निदेशक अतुल गंगवार ने कहा कि अक्सर फिल्म महोत्सव ग्लैमर और चमक–धमक के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वरदान का उद्देश्य समाज के सबसे गंभीर विषय पर जागरूकता लाना है इस उत्सव में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, फिल्म संस्थानों और अनुभवी पेशेवरों द्वारा बनाई गई फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। सिनेमा में नैरेटिव बदलने की ताकत है। हमें खुशी है कि हमारे पास 100 से अधिक फिल्में आईं, जिनमें से जूरी ने 67 बेहतरीन फिल्मों (शॉर्ट फिल्म, रील और प्रेरणादायक फिल्में) का चयन किया है।

छोटी नहीं, लंबी ट्रिप्स पर जाना चाहते हैं लोग; क्यों लोकप्रिय हो रहा है स्लो ट्रैवल का चलन

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

आज के दौर में पर्यटन का नजरिया तेजी से बदल रहा है। कुछ समय पहले तक लोग चेकलिस्ट टूरिज्म के दीवाने थे, यानी तीन दिन में पांच शहर घूमना और हर मशहूर स्मारक के सामने सेल्फी लेना, लेकिन अब स्लो ट्रैवल का चलन बढ़ रहा है।

लोग अब साल में चार बार छोटी और भागदौड़ भरी ट्रिप्स पर जाने के बजाय, साल में एक या दो बार लंबी और सुकून भरे वेकेशन पर जाना पसंद कर रहे हैं।

स्लो ट्रैवल का मतलब है बिना किसी जल्दबाजी के आराम से ट्रैवल करना। इसमें यात्री किसी जगह के एक्सपीरिएंस को महसूस करते हैं। एक ही शहर या गांव में कुछ दिन रुकते हैं, लोकल बाजार, खान–पान और संस्कृति को एक्सपीरिएंस करते हैं।

मानसिक शांति और बर्नआउट से बचाव– हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पहले से ही समय की पाबंदी और डेडलाइंस से भरी है। छोटी ट्रिप्स में अक्सर हम और ज्यादा थक जाते हैं, क्योंकि हमें कम समय में बहुत कुछ कवर करना होता है। लंबी ट्रिप्स लोगों को रुकने, सांस लेने और मेंटल बर्नआउट को दूर करने का मौका देती हैं।

सांस्कृतिक अनुभव– जब आप किसी जगह पर कुछ दिन रुकते हैं, तो आप वहां के पर्यटकों वाले रास्तों से हटकर असली जीवन देख पाते हैं। आप लोकल कैफे में घंटों बैठ सकते हैं, वहां के लोगों से बात कर सकते हैं और उनके खान–पान को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। यह

अनुभव किसी 2–दिन की ट्रिप में मुमकिन नहीं है।

वर्क फ्रॉम एनीव्हेयर– डिजिटल एज और रिमोट वर्किंग ने इस ट्रेंड को सबसे ज्यादा बढ़ावा दिया है। अब लोग अपने लैपटॉप के साथ पहाड़ों या समुद्र किनारे जा रहे हैं। वे दिन में काम करते हैं और शाम को नई जगहों को एक्सप्लोर करते हैं। इसके लिए लंबी ट्रिप सबसे परफेक्ट होती है।

पर्यावरण के लिए जागरूकता– बार–बार फ्लाइट लेना या छोटी दूरी के लिए बार–बार गाड़ियों का इस्तेमाल करना कार्बन फुटप्रिंट बढ़ाता है। स्लो ट्रैवलर अक्सर ट्रेन या पैदल चलना पसंद करते हैं, जो पर्यावरण के लिए कम हानिकारक है। यह सस्टेनेबल टूरिज्म का एक बड़ा हिस्सा है।

बजट फ्रेंडली– सुनने में लंबी ट्रिप महंगी लग सकती है, लेकिन असल में यह किफायती हो सकती है। बार–बार ट्रांसपोर्ट पर खर्च करने के बजाय एक जगह रहने और खाने का खर्च कम हो जाता है। होमस्टे या अपार्टमेंट रेंट पर लेना होटल के मुकाबले सस्ता पड़ता है।

भारत टैक्सी से जुड़े चालकों के लिए न्यूनतम आधार किराया तय होगा–केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा भारत टैक्सी अपने मंच से जुड़े सभी 'सारथियों' (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी।

श्री शाह ने यहां भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए चालकों के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है, जबकि भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा। यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी।

श्री अमित शाह ने कहा, "भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के ज़रिए हर जानकारी देने से 'भारत टैक्सी' दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी। भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफ़िट को मिलाकर एक बेस रेट बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं चलेगी।"

उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव में सारथियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी, ताकि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें।

मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी की आय का 20 प्रतिशत पूंजी के रूप में संस्था के खाते में रखा जाएगा, जबकि 80 प्रतिशत राशि सारथियों को उनके द्वारा चलाए गए किलोमीटर के आधार पर लौटाई जाएगी। शुरुआती तीन वर्षों में विस्तार पर ध्यान दिया जाएगा, इसके बाद लाभ का वितरण इसी अनुपात में होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन सालों में देश के प्रत्येक नगर निगम में 'भारत टैक्सी' मौजूद होगी।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के सिद्धांत को समझने की आवश्यकता है और उदाहरण देते हुए अमूल का उल्लेख किया, जहां लाखों महिलाओं ने छोटे निवेश से बड़ी सहकारी संस्था खड़ी की है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी भी इसी प्रकार का एक बड़ा सहकारी आंदोलन बनेगी और आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक नगर निगम क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

उन्होंने कहा कि सारथियों की शिकायतों के निवारण के लिए वेबसाइट पर विशेष विंडो बनाई जाएगी और फीडबैक के आधार पर नीतियों में लगातार सुधार किया जाएगा। उन्होंने सारथियों से आग्रह किया कि वे स्वयं को ड्राइवर नहीं, बल्कि गौरव के साथ 'सारथी' कहें और सहकारिता के इस मॉडल को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

'जैसे भी संभव हो ईरान छोड़ दें', भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

भारतीय दूतावास ने सोमवार को ईरान के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी की है जिसमें सभी भारतीय नागरिकों को यह हिदायत दी है कि वे जल्द से जल्द देश छोड़ दें क्योंकि अमेरिका के साथ ईरान के बढ़ते तनाव की वजह से युद्ध की संभावना बढ़ सकती है।

एडवाइडरी में कहा गया है कि ईरान में हालात को देखते हुए भारतीय नागरिक किसी भी हालत में जिस किसी भी साधन से संभव हो देश छोड़ दें। साथ उनको विरोध प्रदर्शन या डेमोन्सट्रेशन वाले इलाकों से दूर रहने की भी सलाह दी गई है। इससे पहले 14 जनवरी को भी एक एडवाइजरी जारी की गई थी जिसमें कहा गया था कि सभी भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के लोग सावधानी बरतें। साथ ही उन्हें भारतीय दूतावास से संपर्क में बने रहने और लोकल न्यूज मीडिया पर नजर रखने के लिए भी कहा गया है।

एडवाइजरी में लिखा है – 'भारत सरकार द्वारा 5 जनवरी 2026 को जारी सलाह के जारी रखते हुए और ईरान में बदलते हालात को देखते हुए, जो भारतीय नागरिक अभी ईरान में हैं (जैसे छात्र, तीर्थयात्री, व्यापारी और पर्यटक), उन्हें सलाह दी जाती है कि वे उपलब्ध किसी भी साधन से ईरान छोड़ दें, जिसमें कमर्शियल लाइट्स भी शामिल हैं।'

दूतावास ने भारतीयों से कहा है कि उनके पास पासपोर्ट, आईडी और दूसरे ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स हमेशा तैयार रखें। अगर किसी को मदद चाहिए तो दूतावास के इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें– +989128109115, +989128109109, +989128109102, +989932179359 ईमेलः cons-tehran@mea.gov.in

अमेजन ने बेंगलुरु में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोला; एक साथ 7,000 कर्मचारी काम करेंगे

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

दिग्गज अमेरिकी कंपनी अमेजन ने सोमवार को बेंगलुरु में एशिया का अपना दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोलने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह 12 मंजिला परिसर 11 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है और भारत में ई–कॉमर्स, संचालन, भुगतान, प्रौद्योगिकी और विक्रेता सेवाओं से जुड़े 7,000 से अधिक कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करेगा।

कर्नाटक के लघु एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने भवन का उद्घाटन करते हुए कहा, "बेंगलुरु में अमेजन का निरंतर निवेश वैश्विक प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। अमेजन के नए परिसर जैसे बड़े परिसर उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करते हैं, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करते हैं और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को समर्थन देते हैं। हम ऐसे निवेशों का स्वागत करते हैं जो दीर्घकालिक क्षमता का निर्माण करते हैं और हमारे कार्यबल के लिए अवसर सृजित करते हैं।"

इस नए कैंपस का शुभारंभ भारत में अमेजन के निरंतर निवेश का हिस्सा है। अमेजन पहले ही भारत में 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है और 2030 तक 35 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। कंपनी ने बताया कि यह परिसर केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 किलोमीटर दूर स्थित है और इसे टीमों को एक साथ लाने और सहयोग, लचीलापन, सीखने और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

अमेजन इंडिया के कंट्री मैनेजर समीर कुमार ने कहा,"पिछले कई वर्षों से, यह शहर हमारी कुछ शुरुआती प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक टीमों का घर रहा है, और आज भी यह नवाचार और प्रतिभा का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है।" कर्मचारियों के लिए बास्केटबॉल और पिकलबॉल कोर्ट, एक एम्फीथिएटर, हरे–भरे लॉन और सामुदायिक बाहरी स्थानों सहित विशेष मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अमेरिकी कंपनी ने बताया कि दो मंजिलों पर स्थित कैफेटेरिया में वैश्विक व्यंजनों की एक विस्तृत श्रृंखला परोसी जाती है। कंपनी ने आगे कहा कि इस परियोजना में जिम्मेदार सामग्री स्रोत, कार्यालय संपत्तियों का पुनः उपयोग और उच्च दक्षता वाली प्रणालियां जैसी रणनीतियां शामिल हैं, जिनका उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन और परिचालन कार्बन उत्सर्जन को कम करना है।

अब अपने इलाज के तरीके की वसीयत भी करा सकेंगे लोग, क्या है इसके लिए नियम–कानून?

नई दिल्ली, 23 फरवरी।

हम सभी अपने जीवन में किसी न किसी बीमारी से गुजरते हैं. कई बार ऐसी स्थितियां तक आ जाती हैं जब हम अपनी देखभाल खुद नहीं कर पाते. ऐसे में हमारी इच्छा होती है कि हमारे इलाज के फैसले हमारे परिवार या डॉक्टरों के हाथों में न रहकर हम स्वयं लें. अब यह संभव हो गया है. आप अपनी बीमारी के दौरान किस तरह का इलाज करवाना चाहते हैं, इसके बारे में पहले से ही एक वसीयत बना सकते हैं. इसे मेडिकल वसीयत या एडवांस डायरेक्टिव भी कहा जाता है.

मेडिकल वसीयत एक कानूनी दस्तावेज है जिसमें आप अपनी बीमारी के दौरान किस तरह का इलाज करवाना चाहते हैं, इसकी जानकारी दी जाती है. इसमें आप यह भी बता सकते हैं कि अगर आप कोमा में चले जाएं या आपकी स्थिति गंभीर हो जाए तो आपको सपोर्ट सिस्टम से हटाया जाए या नहीं.

अब सवाल ये उठता है कि आखिर मेडकल वसीयत क्यों बनानी चाहिए? तो बता दें कि मेडिकल वसीयत बनाने से आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपकी बीमारी के दौरान आपके इलाज के फैसले आपके अनुसार ही लिए जाएंगे. इसके अलावा मेडिकल वसीयत होने से आपके परिवार को कठिन निर्णय लेने से बचाया जा सकता है. साथ ही मेडिकल वसीयत बनाने से आपको मानसिक शांति मिलती है क्योंकि आप जानते हैं कि आपकी इच्छा का सम्मान किया जाएगा.

मेडिकल वसीयत में आप किस तरह का इलाज करवाना चाहते हैं, यह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है. आप सपोर्ट सिस्टम से हटाए जाने का फैसला भी ले सकते हैं. इसके सात ही आप एक नॉमिनी चुन सकते हैं जो आपकी ओर से निर्णय ले सके अगर आप स्वयं निर्णय लेने में असमर्थ हों और आप अपने इलाज के लिए एक डॉक्टर भी चुन सकते हैं.

मेडिकल वसीयत बनाना बहुत कठिन नहीं है. आप एक वकील की मदद से या फिर ऑनलाइन भी मेडिकल वसीयत बना सकते हैं. मेडिकल वसीयत को दो गवाहों के सामने साइन करना होता है.

हालांकि भारत में मेडिकल वसीयत को लेकर अभी तक कोई एकरूपता नहीं है. अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग कानून हैं. वहीं कई राज्यों में मेडिकल वसीयत को मान्यता दी जा रही है.